एक जवान विधवा को परिवार मिला

प्रार्थना: प्रभु बच्चो की सहायता करो कि वे रूत, नयोमी और बोअज़ की तरह, अपने सम्बधियो से प्रेम करें।

प्रेम के विषय में एक महान कहानी तैयार करें, पढ़े रूत अध्याय 1–4

- बोअज़ का रूत के लिए प्रेम की व्याख्या करो, जैसे यीशु ने उनको प्रेम किया और छुड़या जो उस पर विश्वास करते है।
- आप इस कहानी पर सप्ताह से ज्यादा समय दे सकते है, और इसके कुछ भाग पर विचार कर सकते है।

कोई **बड़ा बच्चा** या अध्यापक रूत की कहानी बनाएँ। तीन या चार बच्चे **अध्याय एक** स्पष्ट करो।

- एक इस्राएली आदमी अपनी पत्नी नयोमी और दो पुत्रो के साथ इस्राएल छोड़कर मोआब में बस गया। दोनो बेटो ने मोआबी स्त्री रूत और ओर्पा से शादी कर ली।
- तीनो आदमी मर गए, तीन विधवाए रह गई। नयोमी को वापस इस्राएल अपनी भोजन वस्तु का प्रबन्ध करने जाना है।
- रूत और ओर्पा नयामी के साथ जाना चाहती थी, लेकिन इसने कहा कि तुम अपने अपने मायके लौट जाओ।
- ओर्पा रोई और वापस अपने मायके चली गई, लेकिन रूत ने अपनी विधवा सास को लिपटकर प्रेम से चूमा और पतिभक्ति से कहा कि मुझे अपने साथ इस्राएल ले चल।

अध्याय 2 स्पष्ट करो।

अमीर बोअज ने अपनी उदारता रूत को दिखाई और उसको दया तथा इज्जत से व्यवहार किया, जब वह उसके खेत में बालियां बीनती थी अपने और अपनी सास के लिए। इस्राएल के पुराने नियम के अनुसार गरीब लोगो को खेत में सीला बटोरने और बाले बटोरने की अनुमति थी।

- रूत अपने और नयामी के लिए बाले कहाँ से लाती थी (रूत 2:3 देखे)
- रूत खेत में कितना कठिन काम करती थी (पद 7)
- क्या बोअज ने रूत से दुर्व्यवहार किया, क्योंकि वह गरीब और परदेशी थी (देखे पद 14–15)
- रूत ने अपनी गरीब सास नयोमी की सहायता के लिए क्या किया, (देखें पद 18)

अध्याय 3 व्याख्या करो।

- रूत ने बोअज़ से पूछने की हिम्मत दिखाई, एक सम्बन्धी, उसके अधिकार की रक्षा कर सकता है, उससे शादी करके।
- पुराने रीति रिवाज के मुताबिक नजदीकी पुरूष रिश्तेदार किसी भी पीड़ित को जो किसी उत्पात, गरीबी या बिना वारिस के हो, सहायता कर सकता है या बचा सकता है।
- बोअज एक उदाहरण है हमारे यीशु का, जिसने हमें बचाया, जिसने हमें शैतान से छुड़ाया।

अध्याय 4 वर्णन करो।

- बोअज ने एक नजदीकी व्यक्ति से जो रूत के करीब था, बड़ी चतुराई से अपनी शादी की बात उसके सामने रखी।
- बोअज और रूत ने अपने प्रेम का प्रदर्शन शादी करके किया और नयोमी ने उनके बच्चो की परवरिश में सहायता की।
- रूत दाऊद की पर-दादी बनी जो एक बड़ा राजा और यीशु का पुरखा था।

रूत की कहानी के भाग का **नाटक करें।** कलिसिया के अगुवों द्वारा प्रार्थना में यह नाटक प्रस्तुत करने की अनुमति ले। बड़े बच्चे छोटे बच्चो की सहायता करें।

बड़े बच्चे और पुरूष रूत, नयोमी और वर्णनकर्ता के पात्र करें और कहानी को सारांश में बच्चो को याद कराए कि क्या कहना और करना है।

जवान बच्चे ओर्पा और मजदूर का पात्र करे जो हाथो में पत्तिया और बालें लिए हो।

नाटक

वर्णनकर्ता: रूत अध्याय एक से संक्षिप्त में कहानी का पहला भाग घ्बताएँ। फिर कहें सुनो नयोमी रूत और ओर्पा से क्या कहती है।

नयोमी: हमारे पति मर गए है। मैं भोजन वस्तु के इस्राएल जाना चाहती हूँ। तुम अपने परिवारो में चली जाओ।

ओर्पा: नयोमी को चिपटकर रोती है और चली जाती है।

रूत: घुटनो पर बैठकर नओमी से कहती है जहाँ तुम जाओगी, मैं भी जाऊँगी, जहाँ तुम रहोगी, मैं रहूँगी, तुम्हारे लोग मेरे लोग होगें और तुम्हारा परमेश्वर मेरा परमेश्वर है। जहाँ तुम मरोगी, वही मैं मरूँगी।

वर्णनकर्ता: रूत अध्याय 2 से कहानी का दुसरा भाग संक्षिप्त में पुनर्विचार करे। फिर कहें, सुनो रूत नयोमी से क्या कहती है"

रूत: माँ, हमें खाना चाहिए, मैं जाकर खेत से बाले बीन कर ले आती हूँ (मजदूरो के पीछे चलते हुए बालें उठाने का बहाना करते हुए)

बोआज़: मज़दुरों, वह कौन औरत है जो मेरे खेत में बालें चुन रही है।

मज़दुर: वह रूत है, गरीब परदेशी विधवा है। वह बहुत मेहनत करती है और कद्‌चित आराम करती है।

बोआज: रूत के पास जाकर कहा, रूत मैंने नयोमी के प्रति तुम्हारी सहानुमुति के बारे में सुना है। मेरे खेत में बालें इकठ्ठा करो और जो खाना मैं अपने मजदूरो को देता हूँ तुम भी वॅही खाना।

बोआज: मजदूरों के पास जाकर कहता है, रूत को बाले बटोरने दों। उसको कष्ट न देना। कुछ बालें भूमि पर गिरा देना ताकि वह उन्हें बीन सके।

वर्णनकर्ता: सुनो रूत शाम को नयोमी से क्या कहती है"

रूत: मॉ, देखो मैंने बोआज के खेत से कितने सारे बालें बटोर कर लाई हूँ। यह सब तुम्हारा है।

नयोमी: बेटी बोआज नजदीकी रिश्तेदार है। वह हम पर गरीब विधवा होने के कारण दयावान है। परमेश्वर उसको आशीष दें। इस बार अनाज काटने के लिए किसी और के खेत में न जाना।

वर्णनकर्ता: रूत की कहानी के शेष भाग का संक्षिप्त पुनर्विचार करें। ऊपर अध्याय 3 और 4 में दी गई व्याख्या को दोहराए। धन्यवाद, जिन्होने सहायता की।

प्रश्नः अगर बच्चे बड़ो के लिए इस कहानी का नाटक प्रस्तुत करते है तो उन्हें बड़ो से अध्याय 2 से प्रश्न पूछने दें।

चित्रः गेहूँ के डण्ठल का चित्र बनाए जो स्थानीय पैदा होते है, बच्चे उसकी नकल करें। वह यह चित्र बड़ो को प्रार्थना समय में दिखाए और उन्हे समझाए कि रूत और बोआज ने कैसे परिवार को उन आशीषो से संभाला जो उनको मिली।

दुसरे उदाहरणों पर वाद-विवाद करो कि परमेश्वर परिवार के सदस्यो को किस प्रकार हमारी चिन्ता के लिए प्रयोग करता है। बड़े और बच्चे उदाहरण दें। और पूछें परमेश्वर ने किस महान परिवार का हिस्सा हमेशा को होने लिए हमें बनाया।

कविताः चार बच्चे नीतिवचन से पढ़े 31:10,15,20 और 30

बड़े बच्चे कविता या गीत लिखे जिसमें रूत के शब्द अध्याय 1:16-17 से हो।

इफिसियो 6:1-3 **याद करें।**

प्रार्थनाः प्रभु, अपने परिवारो के लिए आपका धन्यवाद करते है। हमें अपने माता-पिता का सम्मान करना और एक दुसरे की सेवा करना सिखा जैसे आपने किया। कृपया हमारे परिवारिक सदस्यो को आपको एक उद्धारकर्ता के रूप में जानने की शक्ति दे।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net